जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान रुद्रप्रयाग, (रतूडा)

शिक्षा सप्ताह 2024 (दिनांक 22 जुलाई से 28 जुलाई 2024)
प्रथम दिवस- 22-07-2024
"LTM दिवस"

नई शिक्षा नीति 2020 की चौथी वर्षगांठ के अवसर पर समस्त देशभर में इस सप्ताह 22 जुलाई- 28 जुलाई 2024 तक शिक्षा सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है, इसी सन्दर्भ में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रतूडा (रुद्रप्रयाग) में भी शिक्षा सपाह के अन्तर्गत संस्थान में प्रथम दिवस को "LTM दिवस" के रूप में मनाया गया जिसके अंतर्गत संस्थान में सभी प्रशिक्षुओं द्वारा अपशिष्ट पदार्थों, चार्ट, रंगीन पेपरों की सहायता कसे विभिन्न प्रकार के LTM मॉडल बनाये गए, जिनका उद्देश्य LTM मॉडलो की सहायता से विद्यार्थियों में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाने में तथा विद्यार्थियों में सृजनात्मकता का विकास करना है। LTM दिवस को प्रभावी बनाने हेतु सभी प्रशिक्षुओं को समूह में बाँटा गया और सभी प्रशिक्षुओं को LTM पर आधारित मॉडल बनाने को कहा गया। इसके उपरान्त सभी प्रशिक्षुओं द्वारा LTM मॉडलो को प्रदर्शिनी हेतु समूहवार लगाया गया। जिसका निरीक्षण प्राचार्य महोदय तथा समस्त शिक्षको द्वारा किया गया, निरीक्षण के उपरान्त प्राचार्य महोदय द्वारा सभी प्रशिसुओ द्वारा बनाये गए LTM मॉडलो की सराहना की गई तथा प्राचार्य महोदय द्वारा प्रशिक्षुओं को भविष्य में LTM (Learning and teaching material) का विद्यालयों मे सकारात्मक तथा सुजनात्मक रूप में प्रयोग करने हेतु मार्गदर्शन किया गया। अंत में प्राचार्य महोदय द्वारा आशीष वचनों के साथ प्रथम दिवस के कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गयी।

द्वितीय दिवस - 23/07/2024

FLN दिवस

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रतूडा (रुद्रप्रयाग)दिवस को " FLN दिवस" के रूप में मनाया गया, आज दिनाँक 23 जुलाई 2024 को FLN दिवस की शुरुआत निपुण गीत द्वारा की गई। उसके बाद सभी प्रशिशुओं एवं अध्यापकों ने FLN शपथ ली। D.El.Ed द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं द्वारा NEP-2020 के अंतर्गत शुरू किये गये NIPUN-FLN के विषय में जानकारी दी गई एवं साथ ही सभी प्रतिभागी शिक्षकों एवं प्रशिक्षुओं को FLN मिशन के लक्ष्यों एवं विगत 4 वर्षों में प्राप्त सफलताओं के विषय में भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अन्तिम क्षणों में प्राचार्य जी द्वारा कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले प्रशिक्षुओं की सराहना की गई। इसके साथ ही प्राचार्य जी ने आशीष क्चनों के साथ द्वितीय दिवस के कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गयी।

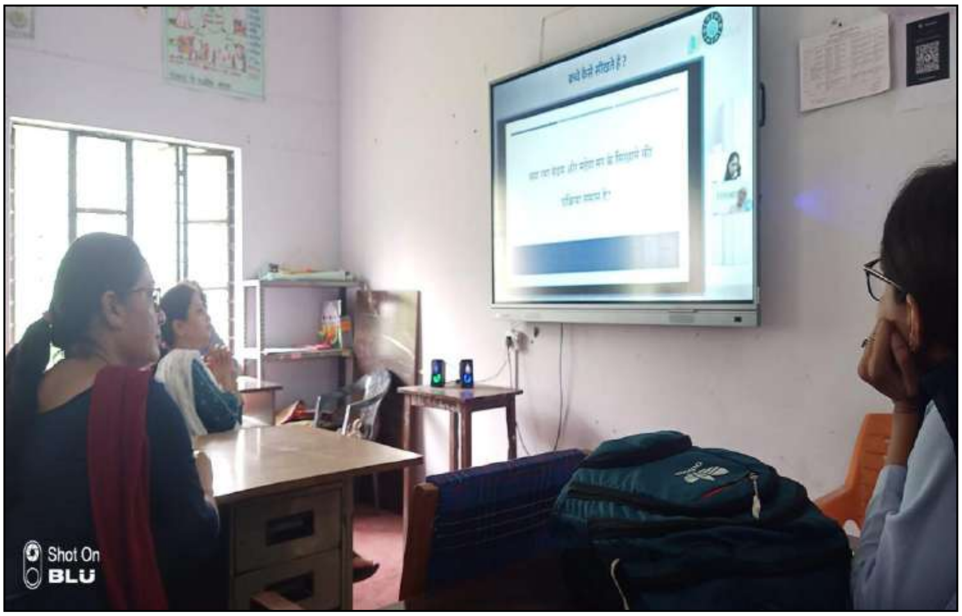

तृतीय दिवस - 24 जुलाई 2024
'स्पोर्ट्स डे'

शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में दिनांक 22 जुलाई से 28 जुलाई 2024 तक शिक्षा सप्ताह का आयोजन सम्पूर्ण देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के पिछले चार वर्षों में प्राप्त उपलब्धियों को प्रतिबिंबित करने के उद्देश्य से एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की चौथी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें प्रत्येक दिन एक विशिष्ट कार्यक्रम निर्धारित है,।इस क्रम में तृतीय दिवस पर जो कि 'स्पोर्ट्स के लिए समर्पित है के अवसर पर आज दिनांक 24 जुलाई 2024 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रुद्रप्रयाग (रतूडा) में डी. एल. एड. द्वितीय सेमेस्टर तथा डी.एल.एड. चतुर्थ सेमेस्टर के समस्त प्रशिक्षुओं के मध्य विभिन्न स्थानीय खेलों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य महोदय द्वारा प्रशिक्षुओं को स्थानीय खेलों के उद्देश्य एवं महत्व के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया तथा निर्देशित किया गया कि विद्यालय स्तर तक हम इन स्थानीय खेलों को ले जाए जिससे छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास हो सके।

तत्पश्चात क्रीडा प्रभारी द्वारा डी..एल.एड. द्वितीय सेमेस्टर की तीन टीम (A, B, C) तथा डी.एल.एड. चतुर्थ सेमेस्टर के समस्त प्रशिक्षुओं की भी तीन टीम (A, B, C) बनाई गई (कुल 6 टीम)। इस तरह दोनों सेमेस्टर की A. A टीम के B,B टीम के मध्य तथा C, C टीम के मध्य आपस में एक-एक स्थानीय खेल खेला एवं खिलवाया गया, जिसमें कुल निम्नलिखित 6 स्थानीय खेल खेले गए-

1. पिट्ठू 2. बाघ बकरी 3. पोशाम पा 4. राजपाठ (पथरी) 5. विष अमृत 6. बट्टी (गारे)

इस दौरान समस्त संकाय सदस्य उपस्थित रहे तथा खेल खिलवाने में सहयोग प्रदान किया। स्थानीय खेलों को खेल कर समस्त प्रशिक्षु बहुत ही प्रफुल्लित और आनंदित हुए।

चतुर्थ दिवस – 25 जुलाई 2024
सांस्कृतिक दिवस

आज दिनांक - 25 जुलाई 2024 को हमारे संस्थान DIET रुद्रप्रयाग(रतूडा) में सांस्कृतिक दिवस के रूप में मनाया गया, कार्यक्रम की श्रृंखला में सर्वप्रथम हमारे संस्थान के प्राचार्य जी द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, साथ ही DEI.Ed. चतुर्थ सेमेस्टर की प्रशिक्षुओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई, द्वितीय सेमेस्टर की प्रशिक्षुओं द्वारा गढ़वाली लोकनृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी गई। प्रशिक्षुओं ने भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रस्तुत करते हुए सांस्कृतिक रैंप वॉक का प्रस्तुतीकरण किया गया। जिसमें प्रशिक्षुओं ने भारत के विभिन्न पारंपरिक वेश भूषाओं को धारण कर 'विविधता में एकता' का परिचय दिया, कार्यक्रम के अन्तिम क्षणों में प्राचार्य जी द्वारा सभी प्रशिक्षुओं द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम को खूब सराहा गया एवं आशीष वचनों के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया,

पंचम दिवस- 26 जुलाई 2024

"Skilling and Digital initiatives Day"

आज दिनांक 27 जुलाई 2024 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रुद्रप्रयाग (रतूड़ा) में NEP 2020 की चतुर्थ वर्षगांठ पर मनाए जा रहे "शिक्षा सप्ताह -2024 के छठे दिवस को "Skilling and Digital initiatives Day" के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर डायट प्राचार्य तथा समस्त प्रवक्ताओं की उपस्थिति में डी.एल.एड. द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं द्वारा पावर पॉइंट तथा स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। सर्वप्रथम श्रीमती रुचिना पुरी मैम द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया तथा हमारे जीवन में तकनीकी शिक्षा के उपयोग के बारे में बताया गया। तत्पश्चात द्वितीय सेमेस्टर के प्रथम सदन 'रवींद्र नाथ टैगोर सदन द्वारा 21 वीं सदी के कौशलों के बारे में प्रशिक्षुओं को अवगत कराया गया इसके बाद द्वितीय सेमेस्टर के द्वितीय सदन 'विवेकानंद सदन द्वारा डी.टी.एच. चैनल, पी.एम. ई -विद्या, स्वयं प्रभा इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई तथा बताया गया कि किस प्रकार कोरोना काल के दौरान डिजिटल शिक्षा ने छात्रों की मदद की। इसके बाद तृतीय सदन सावित्री बाई फूले सदन द्वारा 'दीक्षा पोर्टल' के बारे में जानकारी दी गई तथा बताया गया कि किस प्रकार हम डिजिटल माध्यमों के द्वारा छात्रों तक शिक्षण सामग्री की पहुंच बना पा रहे हैं। तत्पश्चात श्री चमोली जी द्वारा समस्त कक्षा को संबोधित किया गया और बताया गया कि किस प्रकार शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी का उपयोग बढ़ चढ़कर हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि हमें तकनीक का उपयोग सही दिशा में करना चाहिए क्योंकि आज के युग में तकनीकी से कोई भी का क्षेत्र अछूता नहीं है। इसके बाद चतुर्थ सदन 'गांधी सदन' द्वारा Artificial Intelligence (कृत्रिम बुद्धिमता) के बारे में जानकारी दी गई तथा बताया गया कि आज शिक्षा के क्षेत्र में AI कितना कारगर है। इसके बाद पांचवें सदन 'राधाकृष्णन सदन द्वारा PRAGYATA (प्रज्ञाता), जो की शिक्षा के क्षेत्र में कुछ गाइडलाइंस हैं उनके बारे में जानकारी दी गई। कक्षा के अंतिम सदन- 'अरविन्द घोष सदन' द्वारा साइबर अपराध तथा उससे सुरक्षा के बारे में चर्चा परिचर्चा की गई और बताया गया कि साइबर अपराध क्या है तथा उनसे बचने के लिए हम क्या-क्या उपाय कर सकते हैं। इसके बाद श्री सती जी (विभागाध्यक्ष शैक्षिक तकनीकी विभाग) द्वारा तकनीकी शिक्षा के बारे में जानकारी दी गई। अंत में प्राचार्य महोदय द्वारा प्रशिक्षुओं को संबोधित किया गया तथा बताया गया कि आर्टफिशल इंटेलिजेंस को एक संसाधन की तरह ही उपयोग किया जाना चाहिए तथा AI पर पूर्णतया निर्भर नहीं होना है। विद्यालयों में छात्रों के लिए खास तौर पर प्राथमिक स्तर के छात्रों के लिए एक शिक्षक से बेहतर कोई विकल्प नहीं हो सकता है। AI केवल एक सहायक सामग्री मात्र है। एक शिक्षक ही बच्चे के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दे सकता है। इन्ही शब्दों के बाद प्राचार्य महोदय द्वारा कार्यक्रम का समापन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान डायट परिवार के समस्त अध्यापक, प्रशिक्षु तथा समस्त डाइट कर्मचारी उपस्थित रहे।

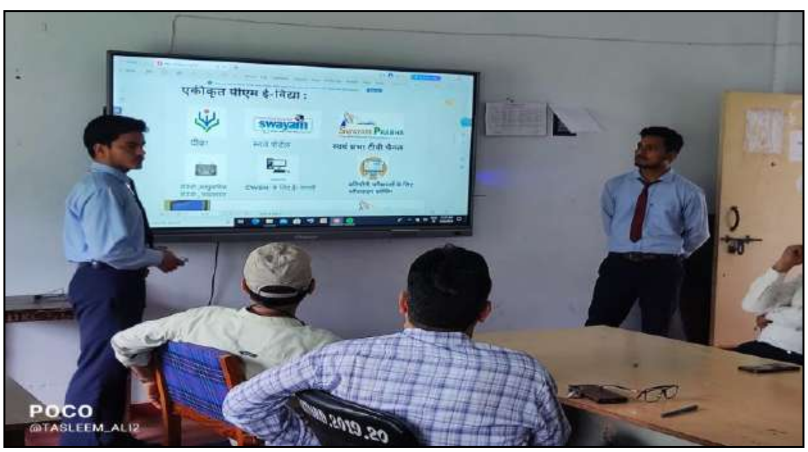

षष्टम दिवस- 27 जुलाई 2024

ईको क्लब दिवस

आज दिनांक 28 जुलाई 2024 को ईको क्लब दिवस मनाया जा रहा है, DIET रुद्रप्रयाग (रतूडा) में इस अवसर पर D.El. Ed. द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिसुओं द्वारा डायट परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया, सर्वप्रथम 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षुओं द्वारा वृक्षारोपण किया गया, इसके बाद प्रशिक्षुओं द्वारा डायट परिसर के चारों ओर एवं क्यारियों में साफ-सफाई कर खरपतवार उन्मूलन किया गया। प्रशिक्षुओं ने संस्थान में मौजूद फुलवारियों में पौधों की निराई- गुड़ाई की एवं फूलों के नये पौधे लगाये।

इसी कार्यक्रम के तहत आज कक्षा-कक्ष में प्रशिक्षुओं दुद्वारा आपदा प्रबन्धन एवं आपदा से निपटने हेतु उपायों पर चर्चा- परिचर्चा की। साथ ही आपदा प्रबन्धन से संबंधित कुछ गतिविधियों का भी आयोजन किया गया।आज के कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण - सुरक्षा एवं आपदा प्रबन्धन से संबंधित विषयों के प्रति जागरुकता का प्रसार किया गया। NEP 2020 भी विद्यालयी छात्रों में इन विषयों की जानकारी का प्रसार करने की बात करती है।

सप्तम दिवस - 28 जुलाई 2024
सामुदायिक भागीदारी दिवस

NEP 2020 की चौथी वर्षगाँठ को भारत के समस्त विद्यालयों में शिक्षा सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है। इसी के अन्तर्गत आज दिनाँक 28 जुलाई 2024 को सामुदायिक भागीदारी दिवस के रूप में मनाया गया, इस अवसर पर डायट रतूड़ा (रुद्रप्रयाग) में मनाये जा रहे कार्यक्रम में डायट प्रशिक्षुओं, शिक्षकों एवं समुदाय के सदस्यों तथा अभिभावकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रतिभागियों को SCERT देहरादून द्वारा जारी गाइडलाइन के अन्तर्गत वर्णित कार्यक्रमों 'विधाजंलि' एवं 'तिथि भोजन' स्कीम के बारे में बताया गया, बुटोला सर द्वारा विद्यालय एवं शिक्षा को सुदृढ़ करने में समुदाय की भागीदारी एवं भूमिका के विषय में बताया गया, सर ने उस बात पर प्रकाश डाला कि समुदाय के एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर हम किस प्रकार विद्यालयी शिक्षा के उन्नयन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंतिम क्षणों में एक प्रतिभागी अभिभावक ने समुदाय के प्रतिनिधि के तौर पर अपने अनुभव साझा किये। इस दौरान सामुदायिक भागीदारी को प्रदर्शित करने वाली वीडियोज़ को चलाया गया जिससे प्रतिभागियों को जागरुक किया जा सके। कार्यक्रम का समापन चौधरी सर द्वारा समस्त प्रतिभागियों एवं समुदाय - सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुये किया गया। आज के कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय - शिक्षा के अन्तसंबंध को [redacted] हुए सभी प्रतिभागियों को ये अवगत कराना था कि वे किस प्रकार शिक्षा के सुदृढ़ीकरण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं।